

XXVIII-(a)-1
Co-op. (H.)

पंजीयक का प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि मध्यप्रदेश सहकारी समितियां, अधिनियम, १९६० (क्रमांक १७ सन् १९६१) की धारा ७ के अन्तर्गत अधिनियम द्वारा गृहीत मध्य प्रदेश सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० की धारा १० के अन्तर्गत समिति के पंजीयन के लिए दिया गया प्रार्थना-पत्र स्वीकृत कर लिया गया है तथा अधिनियम की धारा ९ के अन्तर्गत, समिति के पंजीकृत उप-नियमों में विहित उपबन्धों के प्राधान, उक्त समिति का पंजीयन किया गया है।

उप पंजीयक

सहकारी/उप/संयुक्त पंजीयक
सहकारी समितियां

दिनांक १२/०५/१९७१

पंजीयन क्रमांक डीआर/आय/डीआर/५२७११

संकेत :—अपनीयक सहकारी संस्थाए. सं. २

मध्यप्रदेश शासक



पंजीयन प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है मध्यप्रदेश सहकारी सनितियों, अधिनियम, १९६० (क्रमांक १७ सन् १९६१) की धारा ७ के अन्तर्गत उत्तम विमान

जिला सहकारी संस्था, उज्जैन

समितिके पंजीयन के लिए दिया गया प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर लिया गया है। यह अधिनियम की धारा ९ के अन्तर्गत समितिके पंजीयन के लिए आवश्यक है। उक्त समिति का पंजीयन किया गया है। मध्यप्रदेश सहकारी पंजीयन अधिनियम १९६० की धारा १० के अन्तर्गत संस्था को "उत्तम विमान" संस्था के रूप में घोषित किया जाता है।

दिनांक २५/११/६६

पंजीयक N. B. ADI

उत्तम विमान
जिला सहकारी संस्था
उज्जैन

(Signature)
उत्तम विमान
जिला सहकारी संस्था
उज्जैन

प्रत्येक—१ (कैब) अंतिम अवसर, एक पक्षीय
कार्यवाही की जावेगी।
निर्णय ३ (१) दीर्घार्थ।

भारतीय स्टाम्प (अभ्यन्तरीय तिखतों का न्यून-अवस्थापन निष्कर्षण विषय, १९७५ के नियम ३ के उपविषय (१) के अन्तर्गत
विहित शुल्क का प्रत्येक

श्री,

कांग्रेसीय
अध्यक्ष
आशीरथपुरा इन्डोर

SIA स्वास्थ्य नगर
विनय-विहार कालोनी
इन्डोर

दृष्टा यह सुचना है कि भारतीय स्टाम्प अधिनियम १९६१ (कैब प्र. सं. ३) की धारा ४४-क की उपधारा (१) के अन्तर्गत यह
प्रस्तावित है कि दस्तावेज क्रमांक २१६७ गी दिनांक २०.११.०२ के रूप में रीब्रिडीकृत तिखत के अन्तर्गत
अभ्यन्तरीय बन्धीयत का अन्तर्गत शुल्क तथा उपरलिखित तिखत पर दंड शुल्क का अवधारण करने के लिये कार्यवाही की जाए।

(२) बन्धीयत का बाजार मूल्य तथा तिखत पर दंड शुल्क के अन्तर्गत से अन्तर्गत शुल्क की दर (परीक)
२६.८.०६

में १९ बजें दस्तावेज/अभ्यन्तरीय में की जावेगी।

एतः तिखत निम्नलिखित
द्वारा तैयार इन्डोर प. ३)

(२) आपसे एतद्वारा यह अपेक्षा की जाती है कि आप यह दरानि के लिए तिखत में उल्लिखित बन्धीयतों का बाजार मूल्य
सम्बन्धीयत पूर्वक उपवीर्णित किया गया है। तिखत में अपनी आपत्तियों, तथा अभ्यावदन, यदि कोई हो, सुसंगत दस्तावेज के साथ यदि
यदि कोई हो, सुनवाई की तारीख को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें और यह भी उपदर्शित करें कि क्या आप कोई मौखिक
आक्षेप देने का बांछा करते हैं तथा सुनवाई के समय उपस्थित होंगे, यदि आप अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपसंबन्ध होने के वा
उपदर्शित करने के लिए कि क्या आप कोई मौखिक या दस्तावेजी आक्षेप मौखिक आधार पर देने की बांछा करते हैं यह सुसंगत
दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के इस अवसर पर लाभ उठाने में सक्षम करते हैं तो आप कोई और अपेक्षा नमान नहीं किचा बांछा
आदि उपलब्ध तथ्यों के आकार समतल का निषेध कर दिख जावेगा।

साक्षर
स्वायत्त मुद्रांक सहायक
एतः तिखत निम्नलिखित
द्वारा तैयार इन्डोर प. ३)

द्वारा तैयार इन्डोर प. ३)

अंतिम अंश, एक पक्षीय कानून/५३ का संशोधन की जावेगी।

११-(७)-५२

36

प्रारम्भ— (कैब)

निर्णय ४ (१) पीछे

भारतीय स्वाम्य (अभ्यवहारा) विधायक का न्यून-मूल्यवाक्य विधायक विधायक, १९३५ के नियम ४ के उपलक्ष्य (१) के अन्तर्गत विहित मूल्य का अन्त

"विनय विहार"

२०९, २१७, २१८, २१९, २२०, २२२

प्रति,

मांगीकाव्य अज्ञानसिंग तर्फ अध्यक्ष
अमृता शुभ निर्माण सह संस्था मय
श्रीगिरय पूरा इन्डोर

अंश नगर
विनय विहार कालोनी

कृपया यह सूचना है कि भारतीय स्वाम्य अधिनियम १९३५ (१९३५ का ३०) के अन्तर्गत (१) के अन्तर्गत यह प्रस्तावित है कि दस्तावेज क्रमांक २५६४ दिनांक २०/११/०२ के रूप में टीबदीय विहार के अन्तर्गत उपरोक्त सम्पत्ति का अन्तर्गत मूल्य तथा उपरोक्त विहार पर वंच शुल्क का अन्वयण करने के लिए कार्यवाही की जाय।

(२) सम्पत्ति का अन्तर्गत मूल्य तथा विहार पर वंच शुल्क के अन्वयण से संबंधित व्यय की अनुमति (द्वारिक) के अन्तर्गत

२६-८-०५

आयालय मुद्रांक सहायक
एच. जिनम. जंजमेयक
आय. उमेडा. इन्दौर व. इ.)

में १/२... बने पूर्वाह्न/अन्तर्गत में की जावेगी।

(३) आपसे एतद्वारा यह अपेक्षा की जाती है कि आप यह वर्गों के लिए विहार में उल्लिखित सम्पत्तियों का अन्तर्गत मूल्य सन्तुष्टपूर्वक उपवर्णित किया गया है। विहार में अपनी आपत्तियां, तथा अभ्यावेदन, यदि कोई हो, सुसंगत दस्तावेज के साथ यदि यदि कोई हो, सुनवाई की द्वाारा की अधीनस्थायी के समक्ष प्रस्तुत करें और यह भी उपवर्णित करें कि क्या आप कोई मौखिक सूचना देने का बांछा करते हैं तथा सुनवाई के समय उपस्थित रहेंगे, यदि आप अधीनस्थायी के समक्ष उपसंवात होने के या उपवर्णित करने के लिए कि क्या आप कोई मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहते हैं देने की बांछा करते हैं या सुसंगत दस्तावेजों का प्रस्तुत करने के इस अवसर का लाभ उठाने में सक्षम करते हैं तां जहां कोई और अवसर प्रदान नहीं किया जावेगा और उपरोक्त तथ्यों के अन्तर्गत अन्तर्गत का निपटारा कर विश्व प्रथम।

आयालय मुद्रांक सहायक
एच. जिनम. जंजमेयक
आय. उमेडा. इन्दौर व. इ.)

आय. उमेडा. इन्दौर व. इ.)

१९५३